समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अक्टूबर २०१५ • वर्ष ६६ • अंक १०

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

३० अगस्त २०१५; सत्य साईं इन्टरनेशनल सेन्टर, प्रगति विहार, दिल्ली – (बायें से) दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित 'प्रतिभा सम्मान समारोह' में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया का अभिनंदन करते दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पवन गोयनका; दीप प्रज्जवलित कर समारोह का उद्घाटन करते सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं अन्य।

दुर्गोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें!

राष्ट्र प्रगति ही लक्ष्य हमारा

– युगल किशोर चौधरी
चनपटिया
प. चम्पारण (बिहार)

प्रगति राष्ट्र की लक्ष्य हमारा, मिलकर बढ़ते जाना है।
नव जागृति के दीप जलाकर, नया समाज बनाना है।।

खत्म हुई जब दीर्घ गुलामी, नहीं रूढ़ियाँ रह पायेंगी,
सतत प्रयत्नों के करने से, नूतन दुनिया बन जायेगी।
साहस और शौर्य अपना कर मंगल-घट छलकाना है।
प्रगति राष्ट्र की लक्ष्य हमारा, मिलकर बढ़ते जाना है।।

हम महान पुरुषों के वंशज, जिनकी सुंदर नीति निराली,
देते रहे सदा विष पीकर, हँस-हँस जो अमृत की प्याली।
समता, ममता, समरसता का, मन्त्र पुनः गुंजाना है।
प्रगति राष्ट्र की लक्ष्य हमारा, मिलकर बढ़ते जाना है।।

एक रुपैया, एक ईंट का, पावन है आदर्श हमारा,
राष्ट्रदेव के हम आराधक, सारा जग परिवार हमारा।
दे सहयोग विपन्न जनों को, हँसकर गले लगाना है।
प्रगति राष्ट्र की लक्ष्य हमारा, मिलकर बढ़ते जाना है।।

अग्रसेन जी जैसा बनना, राणा के समान बलिदानी,
भामाशाह सरीखा बनना, गूँजित जिनकी कीर्ति कहानी।
धरती धोराँ री है कहती, नव इतिहास रचाना है।
प्रगति राष्ट्र की लक्ष्य हमारा, मिलकर बढ़ते जाना है।।

'संस्कार-संस्कृति चेतना' कार्यक्रमः सी.आर. एवेन्यू, कोलकाता स्थित सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय में (बायें से) सर्वश्री नंदलाल सिंघानिया, शिव कुमार लोहिया, सीताराम शर्मा, हेमन्त जालान, प्रह्लाद राय अगरवाला एवं गोपाल अग्रवाल पुरस्कृत छात्राओं सुश्री श्रुति गुप्ता, सुश्री अर्चिता मिश्रा एवं सुश्री उपासना पाण्डेय के साथ।

HUNK

ZAMANE KO DIKHANA HAI.

IS THERE A HUNK IN YOU ?

GYM VEST

RUPA®

Frontline

www.rupa.co.in | Consumer Helpline No. 1800 1235 001 | For more information, SMS 'RUPA' to 53456

shop online 24x7 at www.rupaonlinestore.com | Follow 'rupaknitwear' at

समाज विकास

◆ अक्टूबर २०१५ ◆ वर्ष ६६ ◆ अंक १० ◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक			*पृष्ठ संख्या*
चिट्ठी आई है			४
सम्मेलन के पुरस्कार			५
वैवाहिक आचार संहिता			६
सम्पादकीय : ४० वर्षीय अरबपति शिविन्दर सिंह...	–	*सीताराम शर्मा*	७
अध्यक्षीय : प्रतिकूल परिस्थितियों में भी...	–	*रामअवतार पोद्दार*	९
केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार			१०-१९
पुस्तक समीक्षा : संचयिता	–	*केशरीनाथ त्रिपाठी*	२१
लेख : सत्य एवं अहिंसा के पुजारी – महात्मा गांधी	–	*शिव कुमार लोहिया*	२२

स्वत्वावधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा
सह-संपादक : शिव कुमार लोहिया
प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

समाज विकास के सुधी पाठकों को यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व महामंत्री समाजचिंतक श्री रतन शाह ने मेरे विशेष अनुरोध पर प्रत्येक मास समाज विकास में अपने विचार प्रस्तुत करने की स्वीकृति दी है। रतनजी ने सम्मेलन के विभिन्न पदों पर रहकर न सिर्फ महत्वपूर्ण योगदान किया है अपितु मारवाड़ी समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सर्वविदित है।

– सीताराम शर्मा, प्रधान सम्पादक

चिट्ठी आई है

कानोड़िया जी महान् कर्मयोगी

अखिल भरतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष विशिष्ट समाज-मनीषी डा. हरिप्रसाद जी कानोड़िया को संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से 'ग्लोबल मैन ऑफ द इयर २०१५' के वैश्विक भूषण से अलंकृत किया गया यह मारवाड़ी समाज के लिए ही नहीं बल्कि पूरे भारतवासियों के लिए गर्व का विषय है। श्री सीताराम जी शर्मा द्वारा संचालित सम्मान समारोह कलकत्ते के प्रमुख समाज-रत्नों की उपस्थिति में समीचीन एवं स्तुत्य कार्य था। भारत की इलेक्ट्रोनिक एवं टंकणित मीडिया को इतने गौरवपूर्ण समाचार को प्रमुख रूप से प्रदर्शित और प्रसारित करना चाहिए था। महान् कर्मयोगी कानोड़िया जी के प्रति मेरा लघु अभिवादन-वन्दनः

सादगी, सरलता और मृदुता के जो अवतार हैं,
धर्म, संस्कार और संस्कृति के जो पालनहार हैं,
मारवाड़ी सम्मेलन, समाज और राष्ट्र के जो कर्णधार हैं,
ऐसे डॉ. हरिप्रसाद जी को यू.एन.ओ. का अभिष्ट अभिसार है,
और सारे प्रबुद्ध भारतीयों का ऐसे महामना को नमस्कार है।

– **जगदीश प्रसाद पाटोदिया 'चाँद'**, हवड़ा (प. बंग)

समाज विकास पठनीय एवं मननीय

'समाज विकास' का अगस्त अंक प्राप्त हुआ। प्रकाशित सामग्री पठनीय एवं मननीय है। सम्पादकीय में माननीय श्री सीताराम शर्मा ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरेशी साहब से हुई बातचीत के माध्यम से भारतीय गणतन्त्र में मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला है और बतलाया है कि कैसे एक वोट भी जीत-हार में निर्णायक बन जाता है। उन्होंने हमें मतदानरूपी कर्तव्य का निर्वाह करने की प्रेरणा दी है जिससे हमारा लोकतन्त्र और अधिक मजबूत बनेगा। अध्यक्षीय में माननीय श्री रामअवतार पोद्दार ने कर्तव्यनिष्ठा और चारित्रिक दृढ़ता को शिखर-प्राप्ति का मार्ग बतलाया है और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम का उदाहरण देकर अपने कथन को सिद्ध किया है जिससे चरैवेति, चरैवेति का संदेश ध्वनित होता है। श्री शिव कुमार लोहिया के दोनों आलेख सुन्दर और सराहनीय हैं। पूर्वोत्तर, झारखंड और बिहार के प्रादेशिक अधिवेशनों की रपट हमारे अन्दर सामाजिक नवजागरण की भावनाओं का उद्रेक करती हैं। 'समाज विकास' प्रगति करता रहे, हार्दिक अभिलाषा है।

– **युगल किशोर चौधरी**, चनपटिया, प. चम्पारण (बिहार)

Marwaris : Neglecting their Own Language

I am a Marwari born, brought up and residing in Kolkata. This article of mine will highlight a profound oversight of my community. We, Marwaris, might be good at many things but we have surely neglected our mother tongue in a manner unspeakable. I never spoke my mother tongue till I was 32 years old. Till that time, I never even felt that it was my responsibility to speak and speak up for my mother tongue. The first time I got conscious about it was when I read 'The Telegraph' of 18 April 2011. It had reported a seminar called 'what they think of us' organised by Provincial Marwari Federation to know the views of the local people about the Marwaris settled in Kolkata. In that seminar, actor Arjun Chakraborty and educationist Barry O' Brien both pointed out that Marwaris are neglecting and not teaching their mother tongue to their children. Barry went to the extent of saying that some of his Marwari friends are ashamed to speak their mother tongue. I realised that what Barry said was true and, very honestly, I felt ashamed knowing that I was also to be blamed for it. Since that moment, I have stopped talking to my children and other family members in Hindi inside my home. I have instructed the maids to talk to the children in Bengali.

It is a fact that most Marwaris do not even know that they are doing grave injustice to their mother tongue when they are not teaching it to their children. Hindi, English and all other languages are great. But so is my mother tongue. It has done nothing to deserve neglect by its own people. 99% of the Marwari boys I meet in my day to day life, who belong to the age group 15-25 years, do not speak their mother tongue. Given their ignorance of and indifference towards their mother tongue, we can draw an artificial extrapolation that their grand children might feel ashamed of even calling themselves Marwari!

Such is the pitiable state of my mother tongue that when the other people of my community hear my children speaking in Marwari, they are pleasantly surprised! Why, if two Punjabis or two Bengalis or two Gujaratis speak their mother tongue, are the members of their respective communities, who hear them, surprised?

To all my Marwari brethren - if we do not speak our mother tongue, who will?

– **Suraj Nagori**, Kolkata

[हम श्री नागौरी की भावना का सम्मान करते हैं। यदि उनका पत्र मारवाड़ी या हिन्दी में प्राप्त होता तो और भी अच्छा होता। – सम्पादक]

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से मारवाड़ी सम्मेलन के पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था 'रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट' के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रूँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी की स्मृति में राजस्थानी भाषा प्राल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्वर्गीय भंवरमल सिंघी की स्मृति में गठित भंवरमल सिंघी समाज सेवा न्यास द्वारा समाज सुधार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए स्थापित भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान सम्मेलन के २४वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं ११,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को ३० नवम्बर २०१५ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

समाचार सार

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के झारखंड आगमन पर अगवानी करते झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल एवं अन्य।

यदि किसी के धन का उपयोग दूसरों की मदद करने में होता है, तो उस धन का कुछ मूल्य है। अन्यथा, यह विष की गठरी है और इससे जितनी जल्दी छुट्टी पा ली जाए, उतना ही अच्छा।

– स्वामी विवेकानन्द

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : प्रादेशिक सम्मेलन व्यवहार में परिणत करायें

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुईं हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की वनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाज चिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

रामअवतार पोद्दार	जुगलकिशोर सराफ	सीताराम शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष	*चेयरमैन,* *समाज सुधार उपसमिति*	*पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं* *चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति*

सम्पादकीय

'टका धर्म' : कुछ सुखद अपवाद

४० वर्षीय अरबपति शिविन्दर सिंह आध्यात्म-सेवा की यात्रा पर

– सीताराम शर्मा

आज के 'टका धर्म काल' में, जिसमें नारा है 'न बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया', रुपयों के मोह में भाई-भाई ही नहीं, बाप-बेटे भी एक-दूसरे के दुश्मन हो रहे हैं, परिवार टूट रहे हैं, छोटा धनी भाई ही बड़ा भाई हो जाता है, रुपया ही बोलता है, रुपया ही सब कुछ है – इस युग में भी कुछ सुखद अपवाद हैं। केवल विदेशों में ही नहीं, हमारे अपने भारत देश में भी।

मात्र ४० वर्षीय, अरबपति शिविन्दर सिंह ने कंपनी के कार्यकारी उप-चेयरमैन से त्यागपत्र देकर आध्यात्म एवं समाज सेवा के लिये अपना जीवन अर्पित करते हुए राधा स्वामी सत्संग, बियास से जुड़ने का निर्णय लिया है। शिविन्दर सिंह की कम्पनी फोर्टिस हेल्थकेयर के देश भर में ३० से अधिक अस्पताल हैं।

शिविन्दर सिंह

शिविन्दर अपने बड़े भाई मालविन्दर के साथ मिलकर कंपनी के ७१ प्रतिशत शेयर के मालिक हैं। सिंह परिवार का फोर्टिस हेल्थकेयर में हिस्से का मूल्य करीबन ५,९३६ करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त उनका रेलिगियर इन्टरप्राईज में करीब २,६९३ करोड़ का हिस्सा है।

शिविन्दर की आयु केवल ४० वर्ष है। हमारे शास्त्रों के अनुसार भी यह वानप्रस्थ की आयु नहीं है। वे पिछले १५ वर्षों से कंपनी का कार्यभार सुचारु रूप से संभाल रहे थे। उनके नजदीकी बताते हैं कि 'हेल्थकेयर' उनके लिये व्यावसाय से अधिक उनका 'मिशन' बन गया था। उन्होंने ड्युक विश्वविद्यालय से हेल्थकेयर में ही एम.बी.ए. किया था। ज्ञात रहे कि इनके परिवार का राधा स्वामी सत्संग, बियास के साथ पुराना संबंध रहा है। शिविन्दर के पिता परविन्दर सिंह भी राधा स्वामी सत्संग, जिसका उत्तर भारत में काफी प्रभाव है, के अनुयायी रहे हैं। वर्तमान में भी शिविन्दर के मामा श्री बाबा गुरिदर सिंह राधा स्वामी सत्संग, बियास के सर्वोच्च पदाधिकारी हैं।

मात्र ४० वर्ष की आयु में शिविन्दर का एक फले-फूले व्यवसाय से अपने को अलग कर 'सेवा' में अपने आप को समर्पित करना उद्योग जगत के लिये चौंकाने वाला रहा है। शिविन्दर ने स्वयं कहा है – **"पिछले १५ वर्षों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करते हुए स्वस्थ जीवन एवं जीवन की सुरक्षा ही मेरा जीवन बन गया था। इसी ने मुझे मानव-मात्र की सीधी सेवा के लिये प्रेरित किया जिससे कि मैं उस समाज की कुछ सेवा कर पाऊँ, जिसने मुझे इतना दिया है।** यह मेरा परम सौभाग्य है कि सत्संग बियास ने मेरे 'सेवा' करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर मुझे अनुगृहित किया है, मैं शीघ्र ही सत्संग बियास के केन्द्र डेरा, अमृतसर मानव सेवा के लिये रवाना होना चाहता हूँ।"

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन भाई शिविन्दर सिंह की भावना को प्रणाम करता है, मानव सेवा के पथ पर वे अग्रसर हों, इसके लिये शुभकामना प्रेषित करता है! समाज एवं देश के लिये प्रेरणा पुरुष के रूप में शिविन्दर का योगदान सदैव इतिहास का हिस्सा होगा, साथ ही हम ईश्वर से शिविन्दर के स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की प्रार्थना करते हैं! ★ ★ ★

WONDER GROUP
wonder wallz
Made-To-Order Wall Decor
"you imagine we create"
WonderWallz is a division of Wonder Images Pvt. Ltd. The state of art machines & the efficient design team helps to deliver wall solutions for all unique requirements. With over 1lakh designs it is easy to choose a wall which is a true representation of your choice.
The USP is zero wastage, customized design, lower effective cost, environment friendly & unique creation.
MADE -TO- ORDER SOLUTIONS
• Wall Covering
• Textured Wall Paper
• Etching Films
• Printed Transparent Films
• Canvas Art
• Portraits
• Wall Clocks
• Designer Panels & Partition
• Lampshades
• Decor Items
• Signage
• Building Warp
COLOURS
Customization
CREATIVITY
Unique wall solutions
Contact Us:
Aditi: +91 98307 25900
Email: aditi@wondergroup.in
Gallery: www.flickr.com/photos/131388784@N04/
Flickr ID: kediaaditi
Works:
Tangra Industrial Estate-II (Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road, Kolkata-700 015, India.
Tel: +91 33 23298891-92

अध्यक्षीय

बापू का मूलमंत्र

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी रहें अपने सिद्धांतों पर अडिग

– रामअवतार पोद्दार

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाईयों,
राम-राम, राधे-राधे!

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े प्रत्येक बहन-भाई को अहिंसा दिवस, नवरात्रों एवं लक्ष्मी पूजा की हार्दिक बधाइयाँ। विजयदशमी का पर्व अन्याय पर न्याय, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म के विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने रावण पर विजय की मनोकामना के साथ नौ दिनों तक देवी के नौ स्वरूपों – शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री – की पूजा-वंदना की और परिणामस्वरूप लंकाविजय कर अपना लक्ष्य पाया।

इस मास माँ-भारती के पुत्र-रत्न महात्मा गांधी की जयन्ती भी है जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अहिंसा दिवस भी घोषित किया गया है। सत्य, सादगी और अहिंसा के महानायक बापू ने तब के भारत में व्याप्त निराशा और अशिक्षा को राष्ट्र के प्रति गौरव-बोध एवं स्वतंत्रता-प्राप्ति की उत्कट अभिलाषा में परिणत करने जैसा असंभव लक्ष्य प्राप्त किया तथा हमें प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने का मूलमंत्र दे गए। हमारी श्रद्धांजलि!

२८ सितम्बर २०१५ से अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्त करने का महापर्व पितृपक्ष भी चल रहा है। कहते हैं, **श्रद्धया इदं श्राद्धम** (जो श्रद्धा से किया जाय, वह श्राद्ध है।। भावार्थ है, प्रेत और पितर के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाय वह श्राद्ध है।

संगठन के मुद्दे पर आते हुए, गत १९ सितम्बर को सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा सुचारू रूप से संपन्न हुई। १४ सितम्बर को संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरा सेमिनार सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय, कोलकाता में आयोजित हुआ (रिपोर्ट इसी अंक में)। शहर से बाहर होने के कारण मैं स्वयं तो उपस्थित नहीं हो सका किन्तु प्रबुद्ध समाज में इसकी बहुत प्रशंसा सुनने को मिली। वस्तुतः सच्चाई भी यही है कि संस्कारों का कोई विकल्प नहीं और हमें इस विषय पर गम्भीरतापूर्वक कदम उठाने ही होंगे – यही हमारी सन्तति के हित में है।

सत्य, सादगी और अहिंसा के महानायक बापू ने तब के भारत में व्याप्त निराशा और अशिक्षा को राष्ट्र के प्रति गौरव-बोध एवं स्वतंत्रता-प्राप्ति की उत्कट अभिलाषा में परिणत करने जैसा असंभव लक्ष्य प्राप्त किया तथा हमें प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने का मूलमंत्र दे गए। हमारी श्रद्धांजलि!

जैसे मैंने पिछले माह भी लिखा था, कुछ प्रांतीय शाखाओं की गतिविधियों में जो सक्रियता पिछले महीनों में देखने को मिली है, वह बहुत सुखद है। पर यह सक्रियता पूरे राष्ट्र में लानी है। संगठन-विस्तार को भी गति मिली है परन्तु उसे और गति देने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत रूप से मेरो मानना है कि पूरे राष्ट्र के हरेक मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक व्यक्ति सम्मेलन का सदस्य अवश्य हो। बिना संगठन को सुदृढ़ किए न तो हम सामाजिक समस्याओं से पार पा सकेंगे और न हमारी कोई महत्वपूर्ण राजनैतिक पहचान होगी।

एक बार पुनः नवरात्र पर कामना है कि:

सर्व मंगल मागल्यै शिवे सर्वार्थ साधिके,
शरण्ये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।

जय समाज, जय राष्ट्र!

प्रांतीय दौरों के परिणाम सकारात्मक, सक्रियता बढ़ाना जरूरी : रामअवतार पोद्दार

"राष्ट्र के प्रत्येक मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक व्यक्ति सम्मेलन का सदस्य अवश्य हो, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपने प्रयासों को और गति देनी होगी। हमारे प्रांतीय दौरों और प्रांतीय इकाइयों की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, सदस्यता में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन हम अब भी अपने लक्ष्य से कोसों दूर हैं।" अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने ये विचार व्यक्त किए। सभा १९ सितम्बर २०१५ को कोलकाता स्थित मर्चेंट चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के सभागार में आयोजित की गयी थी।

श्री रामअवतार पोद्दार

साधारण सभा में श्री पोद्दार ने सर्वप्रथम सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन के प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी।

श्री शिव कुमार लोहिया

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने सम्मेलन की पिछली वार्षिक साधारण सभा (कोलकाता, ३० अगस्त २०१४) का कार्यवृत्त पढ़ा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री लोहिया ने पिछली सभा के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की।

श्री गोपाल अग्रवाल

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने, परीक्षकों द्वारा जाँचा गया, वित्तीय वर्ष २०१४-१५ का सम्मेलन का आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र प्रस्तुत किया। विचार-विमर्श के बाद झारखंड सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसंत कुमार** मित्तल ने इसे पारित करने का प्रस्ताव रखा, **श्री राजेन्द्र प्रसाद मोदी** ने अनुमोदन किया एवं लेखा-जोखा सर्वसम्मति से पारित हुआ।

कार्यसूची के अनुसार, **श्री पी.के. लिल्हा** को अगले साधारण सभा तक के लिए लेखा परीक्षक बनाए रखने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। श्री लिल्हा के नाम का प्रस्ताव सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संतोष सराफ** ने रखा और अनुमोदन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल ने किया।

झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल ने झारखंड सम्मेलन की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। श्री मित्तल ने प्रस्ताव रखा कि एकल सदस्यता के क्रियान्वयन के आलोक में नये बने सदस्यों को केन्द्र से सदस्यता प्रमाणपत्र दिया जाए। उन्होंने कहा कि समाज सुधार के मुद्दों पर शिथिलता दृष्टिगोचर हो रही है, इस संबंध में केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से कड़े निर्णय लिए जायें।

श्री विनोद अग्रवाल ने सम्मेलन भवन के निर्माण पर प्रगति के विषय में जानकारी चाही।

श्री प्रमोद गोयनका ने कहा कि शाखाओं और प्रांतीय इकाई के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए ताकि कार्यक्रमों को गति दी जा सके।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने अपने उद्‌बोधन में वैवाहिक आचार संहिता, मृत्युभोज जैसे मुद्दों पर सतत सचेत रहने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने सम्मेलन भवन पर हुई प्रगति से भी सदस्यों को अवगत कराया। प्रांतीय इकाई एवं शाखाओं के समन्वय के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं यह बराबर कहता रहा हूँ कि सम्मेलन प्रांतो एवं जिला शाखाओं में बसता है। हालाँकि उनके बीच पूर्ण समन्वय है लेकिन कहीं कोई कमी हो तो उसे निश्चित रूप से सुधारने की आवश्यकता है।

श्री सीताराम शर्मा (बायें) एवं श्री नन्दलाल रूँगटा

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रूँगटा** ने अपने संबोधन में एकल सदस्यता, संस्कार-संस्कृति चेतना, डायरेक्ट्री प्रकाशन, समाज विकास का सभी सदस्यों को प्रेषण, प्रांतीय दौरों की बढ़ती आवृति आदि विषयों की प्रगति पर हर्ष प्रकट किया। उन्होंने संगठन-विस्तार और कार्यक्रमों को गति देने हेतु सबकी सहभागिता को आवश्यक बताया और उपस्थित सभी सदस्यों से कम से कम पाँच नये सदस्य बनाने का आह्वान किया।

सर्वश्री **आत्माराम सोंथालिया, राजेश पोद्दार, नंदकिशोर टेनवाल** आदि ने भी अपने विचार रखे।

अंत में राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और सभा संपन्न हुयी। ★★★

राष्ट्र के विकास में मारवाड़ियों का अहम योगदान – मनीष सिसोदिया

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन ३० अगस्त २०१५ को सत्य साईं इंटरनेशनल सेंटर, प्रगति विहार, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं गणेश वंदना के द्वारा की गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** के कर कमलों द्वारा किया गया व अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** ने की। स्वागताध्यक्ष **श्री पन्नालाल बैद** ने आए हुए सभी समाजबंधुओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

समारोह में सर्वश्री मनीष सिसोदिया, रामअवतार पोद्दार, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं सीताराम शर्मा।

महामंत्री **श्री राजकुमार मिश्रा** ने सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले चार बच्चों को विशेष पुरस्कार **श्री मनीष सिसोदिया** उप-मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के कर कमलों द्वारा दिलवाया। कार्यक्रम में ९१ बच्चों व अन्य प्रतिभाओं को सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री मनीष सिसोदिया, उप-मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, ने कार्यक्रम व मारवाड़ी समाज की भूरी-भूरी प्रशंसा की व दिल्ली सरकार द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों के लिए "शिक्षा ऋण" की जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** व प्रांतीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने सम्मेलन का संक्षिप्त परिचय देते हुए समाज को संगठित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की डायरेक्टरी, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की स्मारिका समाज दर्पण विशेषांक व मारवाड़ी रीती-रिवाज का विमोचन श्री मनीष सिसोदिया, उप-मुख्यमंत्री, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने किया।

कार्यक्रम में मॉडल टाउन के आम आदमी पार्टी विधायक **श्री अखिलेशपति त्रिपाठी**, **श्री रवि अग्रवाल**, राष्ट्रीय अध्यक्ष (अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच) सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया**, महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संतोष सराफ**, **श्री बाबूराम गुप्ता** (राष्ट्रीय महामंत्री, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन), पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री बिजय गुजरवासिया**, **श्री शांति कुमार रामसीसरिया** (अध्यक्ष उत्तरी दिल्ली शाखा) **श्री राजेश जालान** (अध्यक्ष गाजियाबाद शाखा) **श्री नवरतनमल अग्रवाल** (अध्यक्ष पश्चिमी दिल्ली शाखा) समाजसेवी **श्री वी.के. सुरेका**, **श्री रिखबचन्द जैन**, **श्री आर.ए.किला**, **श्री आनन्द अग्रवाल**, **श्री आर.ए. चमड़िया** एवं संस्था के पदाधिकारीगण, सदस्य तथा समाजबंधु उपस्थित थे।

कार्यक्रम संयोजक श्री श्याम सुन्दर चमड़िया ने सहयोग हेतु सभी समाजबंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दक्षिण दिल्ली शाखा का गठन **श्री विनोद किला** की अध्यक्षता में किया गया, सभी पदाधिकारियों को शपथपाठ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार द्वारा करवाया गया। श्री किला ने मारवाड़ी गेस्ट हाउस को उसी दिन से शुरु करने की घोषणा की।

श्री बनवारी लाल जी मित्तल ने बिजनेस विसडम इन लोकोक्ति ऑफ मारवाड़ी की प्रस्तुति बहुत ही सुन्दर ढंग से की।

मंच की व्यवस्था **श्री सुन्दर लाल शर्मा**, **श्री शांतिकुमार रामसीसरिया**, **श्री बिरेन्द्र बजोरिया**, **श्री राजेश गुप्ता**, **श्री बसंत पोद्दार**, **श्री श्रवण इन्दोरिया**, **श्री ललित गर्ग**, **श्री राजेन्द्र शर्मा**, **श्री वेद प्रकाश सुरोलिया**, **श्री प्रमोद गोयनका**, **श्री दिनेश मंत्री व श्री एच. एल. गुप्ता** ने की।

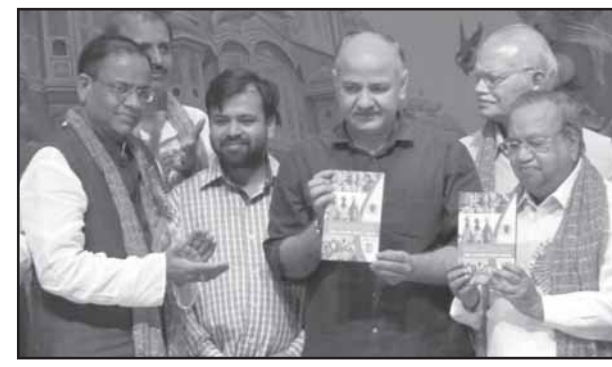

सम्मेलन डायरेक्ट्री का विमोचन।

नवगठित दक्षिणी दिल्ली शाखा के पदाधिकारियों को शपथग्रहण कराते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार।

राजस्थानी कलाकारों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसका आए हुए अतिथियों ने भरपूर आनंद उठाया। जिसका संचालन **श्री उमा शंकर कमलिया, श्रीमती उषा रामसीसरिया, श्रीमती सीमा जाजोदिया** एवं **श्रीमती संजना अग्रवाल** ने किया।

कार्यक्रम के आरम्भ में जलपान व कार्यक्रम के पश्चात् राजस्थानी भोजन की व्यवस्था सम्मेलन की गाजियाबाद शाखा द्वारा किया गया। गाजियाबाद शाखा के अध्यक्ष **श्री राजेश जालान**, महामंत्री **श्री शशि खेमका**, सह संयोजक **श्री ओम जालान** व अन्य सदस्यों ने अपनी-अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाया जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

सामाजिक सम्मान के इस भव्य कार्यक्रम को प्रतिवर्ष आयोजित किया जायेगा। सभी समाज बंधुओं ने इस कार्यक्रम की तहे दिल से सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री **श्री राजकुमार मिश्रा** एवं **श्री अरुण सारडा** ने किया। ★ ★ ★

सांस्कृतिक कार्यक्रम से एक दृश्य।

समारोह में सम्मानप्राप्त छात्र-छात्राओं एवं अपने कार्यक्षेत्र में विशिष्ट प्रदर्शन करने वालों के साथ दिल्ली सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पवन गोयनका एवं अन्य पदाधिकारीगण।

मानवीय मूल्यों में कमी संस्कारों से ही पूरी होगीः प्रह्लाद राय अगरवाला

"हमारे राष्ट्र के छात्र-छात्राओं के शिक्षा का स्तर बढ़ा है। भारतीय आज विश्वप्रसिद्ध कंपनियों के उच्चतम पदों तक पहुँचे हैं। तथापि मानवीय मूल्यों का ह्रास हुआ है। मानवीय मूल्यों में जो कमी आयी है वह संस्कारों से ही पूरी हो सकेगी। अपने माता-पिता अभिभावकों एवं गुरुजनों से प्राप्त शिक्षा एवं संस्कारों से ही व्यक्ति का चरित्रनिर्माण होता है।" ये उद्‌गार हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के जो उन्होंने सम्मेलन के "संस्कार-संस्कृति चेतना" कार्यक्रम के अंतर्गत १४ सितम्बर २०१५ को चित्तरंजन एवेन्यू कोलकाता स्थित सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय में आयोजित एक सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

श्री प्रह्लाद राय अगरवाला

श्री नंदलाल सिंघानिया

श्री सीताराम शर्मा भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता अर्चिता मिश्रा को पुरस्कृत करते हुए।

श्री गोपाल अग्रवाल भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार विजेता उपासना पाण्डेय को पुरस्कृत करते हुए।

सम्मेलन द्वारा छात्र-छात्राओं को अपने संस्कार और संस्कृति के विषय में जागरुक रखने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों के साथ आयोजित किए जा रहे सेमिनारों की कड़ी में यह दूसरा कार्यक्रम था।

सेमिनार में सभी का स्वागत करते हुए विद्यालय के सचिव **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने पाश्चात्य सभ्यता के अंधानुकरण पर अपनी चिंता जतायी। उन्होंने कहा कि आज संस्कृत भाषा में उपलब्ध ज्ञान के भंडार से पूरा विश्व ज्ञान ले रहा है, किन्तु हम स्वयं उसे भुला रहे हैं, इस स्थिति को बदलना होगा।

विद्यालय की प्राचार्या **श्रीमती इन्दरपाल कौर** ने स्लाइड-शो के माध्यम से विवरण के साथ छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं धरोहरों के विषय में बताया।

सेमिनार में प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाषण प्रतियोगिता	
छात्रा	**विषय**
श्वेता गोस्वामी कक्षा द्वादश स	कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गे ऽस्त्वकर्मणि।।
उपासना पाण्डेय कक्षा दशम ब	एको धर्मः परं श्रेयः क्षमैका शन्तिरुत्तमा। विद्यैका परमा तृप्तिरहिंसैका सुखावहा।।
वंशिका यादव कक्षा दशम ब	अतिरुपेण वै सीता अतिगर्वेण रावणः। अतिदानात् बलिर्बद्धो अति सर्वत्र वर्जयेत्।।
श्रुति गुप्ता कक्षा सप्तम ब	वापी-कूप-तडागानामाराम-सूर-वेश्मनाम्। उच्छेदने निराऽऽशक्कः स विप्रो म्लेच्छ उच्यते।।
अर्पिता चौधरी कक्षा सप्तम ब	यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। ...धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे-युगे।।
मोहिनी पाण्डे कक्षा अष्टम ब	ईप्सितं मनसः सर्वं कस्य सम्पद्यते सुखम्। दैवाऽऽयतं यतः सर्वं तस्मात्सन्तोषमाश्रयेत्।।
प्रज्ञा सिंह कक्षा अष्टम् ब	कालः पचति भूतानि कालः संहरते प्रजाः। कालः सुप्तेषु जागर्ति कालो हि दुरतिक्रमः।।
निकिता अग्रवाल कक्षा नवम् स	अधः पश्यसि किं वृद्धे पतितं तव किं भुवि। रे रे मूर्ख न जानासि गतं तारुण्यमौक्तिकम्।।
प्रगति दुबे कक्षा नवम स	धनहीनो न हीनश्च धनिकः स सुनिश्चयः। विद्यारत्नेन यो हीनः स हीनः सर्ववस्तुषु।।
शमशाद परवीन कक्षा नवम स	उद्योगे नास्ति दारिद्रयं जपतो नास्ति यातकम्। मौने च कलहो नास्ति नास्ति जागरिते भयम्।।
अर्चिता मिश्रा कक्षा पंचम स	जननी जन्म भूमिश्च, स्वर्गादपि गरीयसी।
साक्षी सिंह कक्षा अष्टम ब	यथा खात्वा खनित्रेण भूतले वारि विन्दति। तथा गुरुगतां विद्यां शुश्रुषुरधिगच्छति।।

श्री शिव कुमार लोहिया

श्री सीताराम शर्मा ने छात्राओं के सटीक वक्तव्यों एवं दिए गए विषय पर उत्तम तैयारी हेतु सभी प्रतिभागियों एवं संबंधित शिक्षिकाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा की सुश्री शमशाद परवीन द्वारा चाणक्य नीति के सिद्धान्तों की व्याख्या एक सुखद आश्चर्य है। उन्होंने छात्राओं से अपनी शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों एवं संस्कृति के प्रति जागरुक रहने का भी आह्वान किया।

विद्यालय के उपाध्यक्ष **श्री हेमंत जालान** ने अपने संबोधन में संस्कार-संस्कृति की महता पर प्रकाश डाला और भाषण प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली छात्राओं की वाक्पटुता की प्रशंसा की।

सेमिनार में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में १२ छात्राओं ने भाग लिया। भाषण हेतु विषय पहले दिए गये थे और सभी छात्राओं ने बहुत अच्छी तैयारी कर अपने-अपने विषय पर सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया।

भाषण प्रतियोगिता में **सुश्री अर्चिता मिश्रा ने प्रथम, सुश्री उपासना पाण्डेय ने द्वितीय एवं सुश्री श्रुति गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया** और इन्हें तदनुसार पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतियोगियों को प्रमाणपत्र भी दिया गया।

संस्कार, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों से संबंधित विषयों पर एक प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन भी सेमिनार के दौरान किया गया और सबसे पहले सही उत्तर देनेवाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

सेमिनार का संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने एवं धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने किया। ★★★

सेठ सूरजमल जालान बालिका विद्यालय की शिक्षिकायें भाषण प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली छात्राओं के साथ।

उत्तराखंड सम्मेलन के बढते कदम

राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ सार्थक बातचीत

उत्तराखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा आयोजित एक विचार गोष्ठी १ सितम्बर २०१५ को हरि के द्वार, हरिद्वार जहाँ मोक्षदायिनी, पापनाशिनी माँ गंगा के पावन तट पर होटल लक्ष्य में हुई। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार जी पोद्दार**, राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, पूर्व महामंत्री **श्री संतोष सराफ** एवं संस्था के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** उपस्थित थे।

विचार गोष्ठी में सर्वप्रथम आगन्तुक अतिथियों को शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया, उसके बाद परम्परा के अनुरूप माँ गंगा का गंगाजल एवं रुद्राक्ष की माला से स्वागत किया गया।

प्रांतीय अध्यक्ष **श्री रंजीत जालान** ने अपने स्वागत भाषण में श्री पोद्दार के कार्यकाल में हुई प्रगति दिन दूनी रात चौगुनी बताते हुए सराहना की, साथ ही श्री लोहिया जी को एक योजनाबद्ध तरीके से संस्था के उत्थान के प्रयास की सराहना की, श्री सर्राफ जी को एक शान्तचित्त, प्रसन्नचित्त व्यक्तित्व का धनी बताते हुए इनके कार्यकाल में किये गये कार्यों को अनुकरणीय बताया। श्री सीताराम शर्मा को संस्था का चाणक्य बताते हुए इनके द्वारा समाज के विकास में सतत लगा रहना, वैचारिक एवं नीतिगत विषयों पर विशेष चिन्तन ही इनके अद्‌भुत व्यक्तित्व को दर्शाता है। श्री जालान ने बताया की प्रादेशिक सम्मेलन के कार्यालय हेतु प्रयास किये जा रहे हैं एवं शीघ्र ही इसकी व्यवस्था कर ली जायेगी। केन्द्रीय पदाधिकारियों ने इस विषय में हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया।

महामंत्री **श्री रंजीत टीवड़ेवाल** ने अभी तक संस्था के द्वारा लिये गये कार्यक्रमों एवं इसकी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समय-समय पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों के सहयोग की

गोष्ठी में (बायें से) सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, सीताराम शर्मा, रामअवतार पोद्दार एवं रंजीत जालान

सराहना करते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन में संस्था काफी आगे बढ़ रही है।

संगठन मंत्री **श्री दीपक अग्रवाल** ने सभा का संचालन बहुत ही अच्छे ढंग से करते हुए कहा कि समय-समय पर राष्ट्रीय पदाधिकारियों को प्रांतो का दौरा करना चाहिए इससे प्रांतों को नयी ऊर्जा मिलती है।

उपस्थित सदस्यों द्वारा जो पदाधिकारियों से जानकारी माँ गई, संतोषजनक ढंग से उनको उपलब्ध करायी गयी, एवं समाज को राष्ट्रीय कार्यक्रमों से अवगत कराया, जिसमें शादी ब्याह के अवसर पर सादगी, उच्चशिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, जैसे अन्य कार्यक्रमों के विषय में बताया।

उपाध्यक्ष **श्री राकेश कुमार चोखानी** ने धन्यवाद ज्ञापन किया, गोष्ठी का समापन रात्रिभोज के साथ हुआ। ★★★

गोष्ठी में राष्ट्रीय/प्रादेशिक पदाधिकारी/सदस्यगण।

viom
NETWORKS

A Leading Telecom Infrastructure Company Globally

Independent entity with over 38,000 towers and over 89000 tenants

Plans to roll-out nearly 20-25,000 additional towers and take tenancy ratio to 2.5x

Strongest player in neutral host Shared In-Building Solutions (IBS)

First Indian Telecom Infrastructure Company to receive ISO 14001 & OHSAS 18001 Certification

Viom Networks Limited

Corporate Office : 14 & 15th Floor, DLF Square, Jacaranda Marg, DLF City, Phase 2, Gurgaon - 122 002. India

झारखंड में समाज की सुरक्षा का प्रश्न

डी.जी.पी. से मिले सम्मेलन के पदाधिकारी, मिला पूरी सुरक्षा का आश्वासन

राँची के एक प्रमुख आयरन ओर व्यापारी को असामाजिक तत्वों से मिल रही धमकियों के संदर्भ में ३१ अगस्त २०१५ को सम्मेलन का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड के पुलिस महानिदेशक **श्री डी.के. पाण्डेय** से मिला। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** के नेतृत्व में झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, निवर्तमान अध्यक्ष **श्री राजकुमार केडिया**, पूर्व अध्यक्ष **श्री भागचन्द पोद्दार**, महामंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** सहित प्रांतीय जैन सभा के अध्यक्ष **श्री धर्मचन्द जैन रारा** एवं अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष **श्री चंडी प्रसाद डालमिया** भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

ज्ञापांक 1827 / एन०जी०ओ०
महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, झारखण्ड, राँची ।
राँची, दिनांकः– 31.08.2015

प्रतिलिपिः–

1. अपर पुलिस महानिदेशक (अभियान), झारखण्ड, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।
2. प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, राँची/दुमका/बोकारो को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।
3. पुलिस उप–महानिरीक्षक, द०छो० क्षेत्र, राँची/संथाल परगना क्षेत्र, दुमका/कोयला क्षेत्र, बोकारो/कोल्हान क्षेत्र, चाईबासा को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।
4. वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची/जमशेदपुर/पुलिस अधीक्षक, बोकारो/धनबाद/देवघर को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।
5. पुलिस अधीक्षक, नगर/ग्रामीण/यातायात, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।
6. श्री विनय सरावगी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।

31.8.15
महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक,
झारखण्ड, राँची ।

महानिदेशक श्री पाण्डेय ने प्रतिनिधिमंडल को पूरी सुरक्षा का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल से हुई वार्ता के आलोक में उन्होंने सुरक्षा संबंधी कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए एवं राज्य के उच्चपदस्थ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए।

समाचार सार

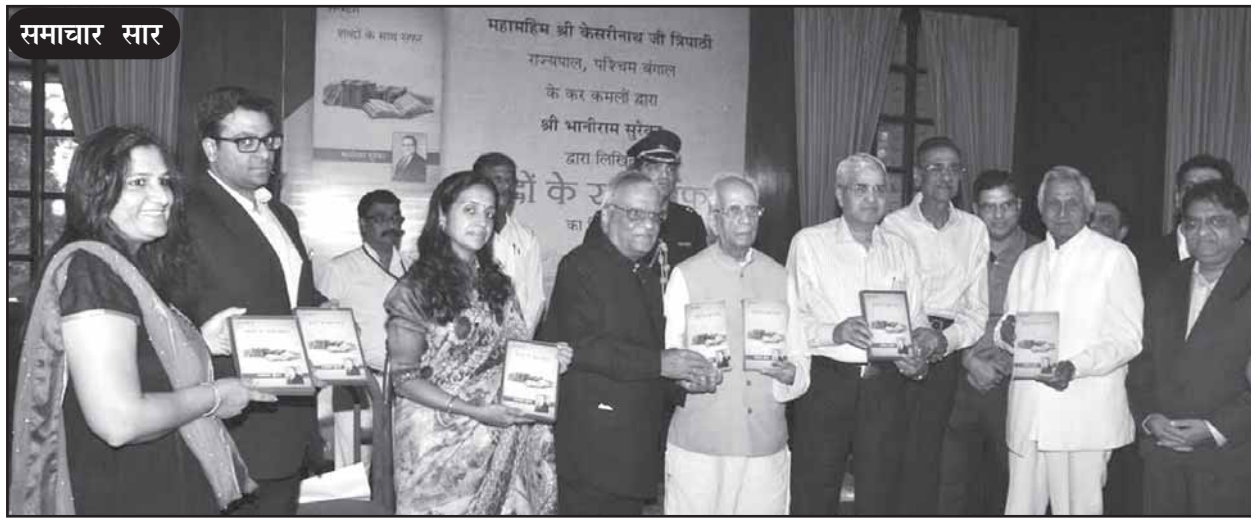

५ अगस्त २०१५, कोलकाता राजभवन : सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम सुरेका लिखित पुस्तक 'शब्दों के साथ सफर' के विमोचन के अवसर पर (बायें से) श्रीमती अनिता आर्य, श्री मयंक जालान, श्रीमती रुचिका गुप्ता (निर्देशक, सन्मार्ग), श्री भानीराम सुरेका, पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री सीताराम शर्मा तथा श्री नंदलाल रूँगटा, श्री सुशील चौधरी, श्री दयानंद आर्य, श्री संजय सुरेका, श्री श्रवण सुरेका एवं श्री आदर्श सुरेका।

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **# MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **# BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA + PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **# BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW • APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty • Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes • Hostel
- AC Classrooms • P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English • Foreign Languages • Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development • Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

मारवाड़ी समाज की प्रगति संघर्ष का इतिहास : रतन शाह

मारवाड़ी समाज की प्रगति एक संघर्ष का इतिहास रहा है। मारवाड़ी समाज के बारे में जो भी विदेशी लोग शोध करने आते हैं, वो कई तरह की शंकाएँ और प्रश्न उठाते हैं। वो पूछते हैं कि क्या कारण थे कि मारवाड़ी समाज ने इतनी बड़ी प्रगति की। दो सौ साल से भारत की सिविल सप्लाई लाइन को जिंदा रखा, इस कम्युनिटी का गहरा अध्ययन किया जाना चाहिए।

ये बातें राजस्थानी प्रचारिणी सभा की ओर से 'बांता जो इतिहास इतिहास है' पर आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता करते रतन शाह ने कहीं। गोष्ठी को संबोधित करते हुए सरदारमल कांकरिया ने जैन विद्यालय और जैन हॉस्पिटल की शुरुआत जिस तरह से की गयी थी, उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। उद्योगपति पवन कुमार कानोड़िया ने बताया कि उद्योग क्षेत्र में, विशेषकर जूट व चाय में, सबसे पहले मारवाड़ी समाज ने प्रवेश किया था। आज तो केवल उद्योग ही नहीं, शिक्षा व प्रशासन में भी मारवाड़ी समाज की पहचान है। मुंबई में खेतान एंड कंपनी ने अपनी अलग पहचान बनायी है। उद्योगपति व समाजसेवी रवि पोद्दार ने अपने बहुत ही सारगर्भित वक्तव्य में बताया कि किस तरह से समाज एक दूसरे के साथ रहता था। संयुक्त परिवार की प्रणाली थी, काम करने वालों लोगों के साथ घर के सदस्य जैसा व्यवहार किया जाता था। अब जो व्यक्तिवाद बढ़ रहा है यह एक तरह से अवरोह की तरफ जाना है। पुष्पा कोठारी ने शहर वालों के ऊपर पेपर पढ़ा। उन्होंने बताया कि कोलकाता जब गाँव की तरह था, उस समय भी वहाँ मुर्शिदाबाद और अजीमगंज में मारवाड़ी, ओसवाल और जैन समाज के लोग रहे थे। उन्होंने अपने रहन-सहन, खान-पान की सबकी एक मिश्रित संस्कृति वहाँ स्थापित की। इनके साथ शिक्षा और न्याय क्षेत्र में भी इस समाज के लोगों ने शीर्षत्व उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। समाजसेवी पुष्करलाल केडिया ने विशुद्धानंद अस्पताल व नागरिक स्वास्थ संघ के कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि किस तरह से मारवाड़ी समाज ने स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधित सेवाओं में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी जहाँ भी जाते हैं, वहाँ के हो जाते हैं। मारवाड़ी के व्यक्तित्व में ऐसा आकर्षण होता है कि वह सबको अपना बना लेता है। सभा के उपाध्यक्ष प्रह्लाद राय गोयनका ने मारवाड़ी समाज में गद्दी की संस्कृति की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह की गोष्ठियों से समाज का गौरव पक्ष लोगों के सामने आ सकेगा। सुप्रसिद्ध लेखक राजेन्द्र केडिया ने मारवाड़ी समाज द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की गयी उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि नवयुवकों को उन उपलब्धियों के संबंध में अवगत कराने की जरूरत है। स्वागत-भाषण सभा के सचिव महेश लोढ़ा ने दिया। इस अवसर पर सर्वश्री काशीप्रसाद खेड़िया, नंदलाल शाह, विश्वनाथ चांडक, ईश्वरीप्रसाद टांटिया, बालकृष्ण खेतान, अजय अग्रवाल सहित समाज के काफी लोग उपस्थित थे। ★ ★ ★

समाचार सार

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला द्वारा होटल ताज बंगाल में आयोजित अपराह्न भोज में (दायें से) डॉ. जुगल किशोर सराफ, श्री धर्मचंद अग्रवाल, श्री कुंजबिहारी अग्रवाल, श्री कृष्ण कुमार चिड़िमार, श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री महनसरिया, श्री ऋषि बागड़ी, श्री राजेन्द्र बच्छावत, श्री हरिमोहन बांगड़, श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री नवल राजगढ़िया, श्री हुक्मचंद डागा, श्री हरिशंकर हलवासिया एवं श्री राधेश्याम गोयनका।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

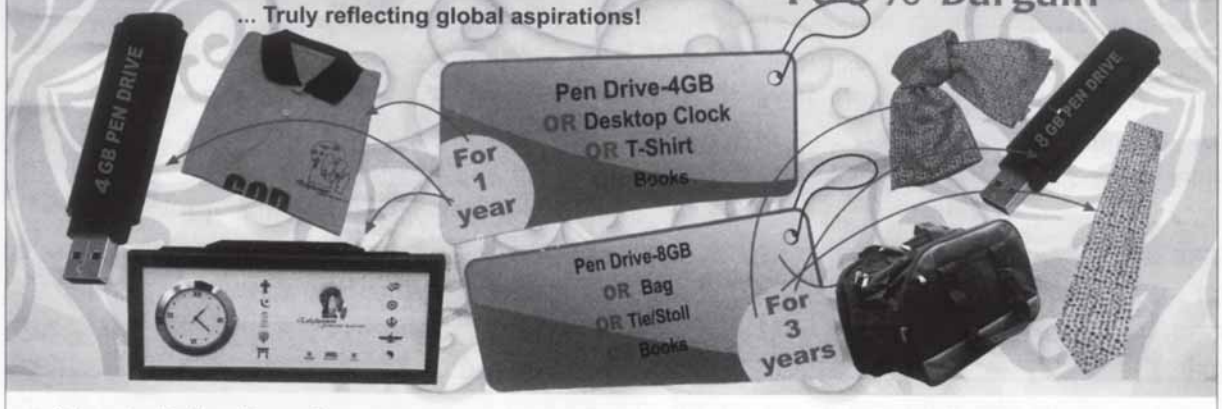

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : _____

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सातवाँ द्वार

अन्धी-गली भटके लोग
कोई जुगनू दिखा तो इधर
भ्रम टूटा तो उधर
अँधेरे में अपनी ही उँगलियाँ पकड़े
घूमते हैं इधर से उधर
और ढूँढते हैं, तोड़ने को
चक्रव्यूह का सातवाँ द्वार।

जाति, वर्ग, सम्प्रदाय
यह भी हैं सुभद्रा के उदर
यह भी हैं सीमित
निद्रा से पीड़ित
लक्ष्य कर तिरोहित
अब जुड़ गया आडम्बर।

ढूँढ़ना है तो ढूँढ़ो
देश की माटी को
इसकी परिपाटी को
माटी की सुगन्ध को
मानव से मानव के
टूटे सम्बन्ध को
और उसमें जोड़ो
संस्कृति और संस्कार
फिर अपने आप टूट जायेगा
चक्रव्यूह का सातवाँ द्वार।

(मनोनुकृति)

तुम महकी, मैं महक गया

तुम महकी, मैं महक गया।

तन में फागुनी सुगन्ध लिये
अभिसारित मन मकरन्द लिये
मुदित भाव सुख-चन्द्र लिये
तुम छलकी, मैं छलक गया।

लहरों ने कहीं हिलोरें लीं
गीतों की गूँज सुनी उर ने
प्रीति-पंख निर्बन्ध खुले
तुम चहकी, मैं चहक गया।

तारों के आँगन में बिखरी
यह छटा तुम्हारी ही निखरी
नभ में कहीं दामिनी सी
तुम दमकी, मैं दमक गया।

दृग हिरनी-से कितने चंचल
तन मोहक, मन निर्मल, निश्छल
पंछी के कलरव मध्य कहीं
तुम कुहुकी, मैं कुहुक गया।

दर्पण की तुम पर्याय बनी
मधुकर की शीतल छाँव बनी
प्रतिबिम्ब स्वयं का ही लखकर
तुम थिरकी, मैं थिरक गया।

(उन्मुक्त)

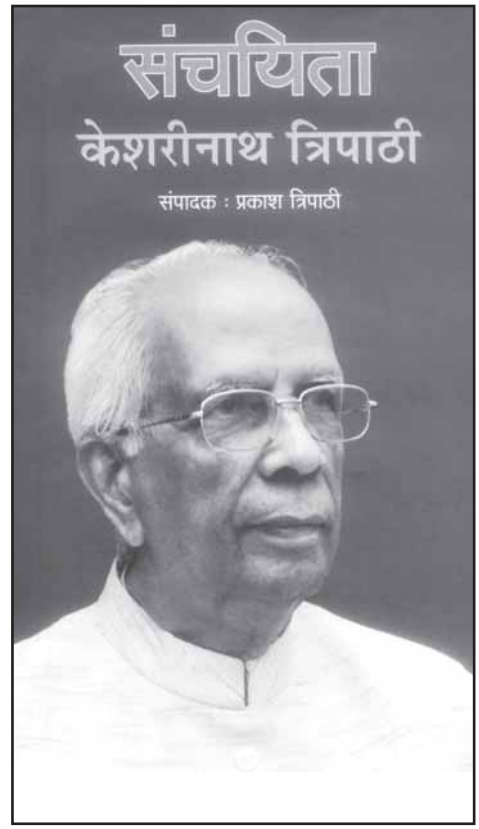

मातु शारदे तुझे मैं प्रणाम कर रहा

मातु शारदे तुझे मैं प्रणाम कर रहा
हंसवाहिनी तुझे मैं प्रणाम कर रहा।

शुभ्र वस्त्र धारिणी, दिव्य-दृष्टि निहारिणी
पाणि में वीणा धरे, तू कमल विहारिणी
पवित्रता की मूर्ति तू, सद्‌भाव की प्रवाहिनी
ज्ञान का वरदान दे, मैं प्रणाम कर रहा।

हम तिमिर से घिर रहे, तुम प्रकाश दो हमें
भाव की अभिव्यक्ति दो, तुम विकास दो हमें
लेखनी को धार दो, नित प्रयास दो हमें
विनम्रता का दान दो, मैं प्रणाम कर रहा।

हे मनीषिणी, हमें विचार का अभिदान दो
योग्य पुत्र बन सकें, स्वाभिमान, मान दो
चित्त में शुचिता भरो, कर्म में सत्कर्म दो
देवि, तू प्रज्ञामयी, मैं प्रणाम कर रहा।

(उन्मुक्त)

दोहे

मन को लालच दे रहे, जग में विषय अनेक।
दृढ़ मन से वह काज कर, जिसको कहे विवेक।।

बचन नहीं कटु बोलिये, बोले बोल संभाल।
पीर न होगी और को, तुझको नहीं मलाल।।

अहंकार, अभिमान दो, होते नहीं समान।
पहला कोरा दंभ है, दूजे में कुछ मान।।

अहंकार से नष्ट हो, बुद्धि, विवेक ओ' ज्ञान।
अवगुण की यह खान है, इसको ले पहचान।।

आलस कर जो बैठता, करे न कोई काज।
उसकी किस्मत फूटती, ऊपर गिरती गाज।।

ठुमुक-ठुमुक मन नाचता, मीठे सपने देख।
बिना कर्म के क्या कभी, सुधरे नियति का लेख।।

मन यदि माने हार तो कुंठा लेती घेर।
निष्क्रिय इसको मानते, समय चक्र का फेर।।

(निर्मल दोहे)

अग्रणी साहित्यसाधक एवं पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी जी की काव्य-कृतियों का संकलन 'संचयिता' के लोकार्पण का आयोजन ११ अक्तूबर २०१५ को नन्दो मलिक लेन, कोलकाता स्थित ओसवाल भवन में किया गया है। प्रस्तुत हैं 'संचयिता' से कुछ रचनायें।

– सम्पादक

महात्मा गांधी जयन्ती (अहिंसा दिवस) पर विशेष

सत्य एवं अहिंसा के पुजारी - महात्मा गांधी

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

महात्मा गांधी के विषय में उनकी मृत्यु पर प्रख्यात वैज्ञानिक **आइंस्टीन ने कहा था - "आनेवाली नस्लें इस बात पर मुश्किल से विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस से बना कोई ऐसा इंसान धरती पर आया था।"**

ऐसे महान पुरूष के विषय में उनकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख आवश्यक हो जाता है। गांधी जी से जब पूछा गया कि आपका क्या संदेश है, तो उत्तर में उन्होंने कहा - **"मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।"** उनके आदर्शों, कार्यकलापों एवं जीवन के कुछ पहलुओं पर प्रश्न-चिह्न उठते रहे हैं। फिर भी कुछ बात है जिसके कारण पूरा विश्व उनसे चमत्कृत है। भारत में बिनोवा भावे, अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, सल्वाडोर में रोमेरो, थाइलैंड में थिच नाट हान, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, डेसमंड टुटु, तिब्बत के दलाई लामा कुछ ऐसे प्रभावशाली नाम हैं जिन्होंने गांधी जी से प्रेरणा प्राप्त करके विश्व को बेहतर बनाने में अभूतपूर्व योगदान दिया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति **बराक ओबामा ने तो यहाँ तक कहा कि हो सकता है कि महात्मा गांधी नहीं होते तो मैं अमेरिका का राष्ट्रपति नहीं बन पाता।** उनसे जब पूछा गया कि अपने पसंद के दिवंगत या वर्तमान के किसी राजनेता के साथ आपको भोजन करने का अवसर मिले तो आप किसे चुनेगें, उन्होंने महात्मा गांधी को चुना।

महात्मा गांधी धर्म एवं राजनीति को भिन्न नहीं मानते। चरखा चलाना, झाड़ू लगाना, पैखाना साफ करना, बीमार की सेवा-सुश्रुषा, अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद करना या स्वतंत्रता के लिये देशवासियों को जागरुक करना - सभी उनके लिये समान रूप से महत्वपूर्ण थे। ये ही उनका धार्मिक आचरण भी था। गांधीजी ने कहा था - **"विश्व को देने के लिये मेरे पास कोई नई बात नहीं है। सत्य एवं अहिंसा उतने ही पुराने हैं जितने कि पहाड़। मैंने बस इतना किया कि जितना भी ज्यादा से ज्यादा संभव हो सका, इन पर चलने का प्रयास किया।"** अपने विचार या वाणी हो, अपने विरोधियों के साथ व्यवहार हो, दूसरों के सामने अपना दृष्टिकोण रखना हो, अपने जीवन के सभी पहलुओं में वे सत्य का अनुसरण करते थे। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध कर दिया कि अकेला व्यक्ति भी उस साम्राज्य से लोहा ले सकता है जिसके राज्य में कभी सूर्य अस्त नहीं होता। अस्पृश्यता, बाल-विवाह, मंदिरों में पशुबलि एवं जातिवाद के खिलाफ उन्होंने आजीवन कार्य किया। उनके आश्रमों में किसी भी प्रकार का भेद-भाव नहीं रहता था। साथ ही साथ उन्होंने स्वच्छता, शुचिता, आहार एवं विचार नियंत्रण जैसे विषयों पर भी अपना ध्यान रखा। यह कहना मुश्किल है कि गांधी जी महात्मा थे या राजनीतिज्ञ थे। उनके लिये राजनीति देशवासियों की सेवा करने का माध्यम था। हरिजन (२९ अगस्त १९३६) में उन्होंने लिखा था, **"मनुष्य का अंतिम लक्ष्य है ईश्वर को प्राप्त करना। उसकी राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियाँ इश्वरीय दृष्टिकोण से प्रभावित एवं परिचालित होनी चाहिये। ईश्वर को प्राप्त करने का उपाय है कि सभी प्राणियों में ईश्वर को देखा जाय एवं सभी के साथ तादात्म्य स्थापित किया जाय। सबों की सेवा के द्वारा ही इसे किया जा सकता है।"**

गांधी जी ने अहिंसा के विषय में कहा था - मनुष्य आध्यात्मिक प्राणी है। वह उच्च स्तर के तंत्र से बँधा है। **हिंसा निम्न स्तर के प्राणियों के लिये है, जिनमें आध्यात्मिक शक्ति नहीं है एवं जो शारीरिक बल को ही सब कुछ समझते हैं।** सविनय अवज्ञा आंदोलन के जरिये उन्होंने देशवासियों को अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने के लिये तैयार किया। इस शांतिपूर्ण अवधारणा में आतातायियों का सामना करने का नैतिक साहस होना चाहिये। उनके अनुसार - **अहिंसा मजबूत लोगों का अस्त्र है। सत्याग्रही तभी अहिंसक रह सकता है, जब वो अपने विरोधी से भयभीत न हो।**

गांधी जी का कार्यक्षेत्र, विचार, आदर्श एवं जीवन को कुछ पन्नों में नहीं समेटा जा सकता। ऐसे महामनीषी के जीवन में समय-समय पर विरोधाभास भी उभर कर आये। इन सबसे यही बात पुष्ट होती है कि गांधी जी के आदर्श तभी फलीभूत होंगे जब हम सत्य एवं अहिंसा को मनसा-वाचा-कर्मणा अपने जीवन में अपनायें। जितना ही हम सत्य एवं अहिंसा से दूर रहते हैं, उतना ही गांधी को हम अपने से दूर करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि गांधी जी भगवान नहीं थे। वे एक मनुष्य थे। उनमें त्रुटियाँ रह सकती हैं। उनकी त्रुटियों की जगह उनकी विशेषताओं पर हमें ध्यान केन्द्रित करना होगा। गांधीजी ने सर्वोदय, अंत्योदय, सविनय अवज्ञा आंदोलन, ग्राम स्वराज्य, हरिजन उत्थान, सत्याग्रह जैसी वैचारिक अवधारणायें भारतीय राजनीति में स्थापित कीं। **उनको समझने, उन पर अमल करने एवं उसका फल प्राप्त करने के लिए हमें स्वयं का नैतिक स्तर एवं सोच परिमार्जित एवं विकसित करना होगा। तभी हम गांधीवाद के मूल में रची-बसी भारतीय संस्कृति की धारा को समझ पायेंगे।** ★ ★ ★

Shaping

a greener tomorrow

Accountability to the future generation

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 10th October 2015
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
(2nd Floor) Kolkata - 700 007
Telefax : (033) 2268 0319
E-mail : aimf1935@gmail.com